

पेगासस सपायवेयर

प्रलम्बित के लिये:

[पेगासस सपायवेयर](#), [ज़ीरो-क्लिक](#) तथा [ज़ीरो-डे वलनरेबिलिटीज़](#), [राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा रणनीति](#), [साइबर सुरक्षति भारत](#)

मेन्स के लिये:

सपायवेयर तथा नजिता संबंधी चिंताएँ, साइबर हमले, सरकारी पहल

[स्रोत: द हट्टि](#)

चर्चा में क्यों?

[पेगासस सपायवेयर](#) के कारण पुनः एक बार नजिता और सुरक्षा संबंधी मुद्दे चर्चा में आए हैं। [एमनेस्टी इंटरनेशनल](#) की हालिया रिपोर्टों [दो प्रमुख भारतीय पत्रकारों के फोन को लक्षित करने में इसके उपयोग की ओर संकेत करती हैं](#), जिससे संभावित सरकारी भागीदारी के बारे में पूछताछ शुरू हो गई है।

- एमनेस्टी इंटरनेशनल 10 मिलियन से अधिक लोगों का एक वैश्विक आंदोलन है जो एक ऐसे भविष्य की परिकल्पना के लिये प्रतबिद्ध है जहाँ सभी के मानवाधिकारों को सुनिश्चित किया जा सके।

पेगासस सपायवेयर क्या है?

परचिय:

- पेगासस सपायवेयर एक **अत्यधिक सुदृढ़ मोबाइल आवेक्षण टूल** है जो विभिन्न ऐप्स और स्रोतों से डेटा तथा जानकारी एकत्र कर सेलफोन तक गुप्त रूप से पहुँच सकता है एवं नगिरानी कर सकता है।
- इसे **इज़रायली साइबर-इंटेल्जिंस फर्म NSO ग्रुप** द्वारा विकसित किया गया था, जो इसे मात्र अपराध तथा आतंकवाद की रोकथाम के लिये सरकारी एजेंसियों को बेचने का दावा करता है।
 - NSO उन पत्रकारों, वकीलों तथा मानवाधिकार रक्षकों को नशाना बनाने से बचने के लिये सुरक्षा उपायों पर ज़ोर देता है जो आतंक अथवा गंभीर अपराधों में शामिल नहीं हैं।

परचालन प्रक्रिया:

- पेगासस डेवाइस को लक्षित करने के लिये “**ज़ीरो-क्लिक**” विधियों का उपयोग करता है, यह एक सॉफ्टवेयर है जो **उपयोगकर्ता की सहमति के बिना उसके डेवाइस पर सपायवेयर इंस्टॉल करने की अनुमति देता है**।
 - सपायवेयर को **इंस्टॉलेशन के लिये** किसी **उपयोगकर्ता कार्रवाई** की आवश्यकता नहीं होती है जो इसे **नियमति ऐप्स** से अलग करता है जिनके **इंस्टॉलेशन में स्पष्ट उपयोगकर्ता पुष्टि की आवश्यकता होती है**।
 - यह व्हाट्सएप, आईमैसेज या फेसटाइम जैसे ऐप्स में कमज़ोरियों का फायदा उठा सकता है और एक संदेश या कॉल भेज सकता है जो सपायवेयर की स्थापना को ट्रिगर करता है, भले ही उपयोगकर्ता इसे न देखे या इसका जवाब न दें।
- पेगासस एक सपायवेयर है जो एप्पल उत्पादों पर सपायवेयर तैनात करने के लिये **ज़ीरो-डे भेद्यता की कमज़ोरियों** का लाभ उठा सकता है।
 - ज़ीरो-डे भेद्यता एक ऑपरेटिंग सिस्टम में एक **अनदेखा दोष या बग** है जिसके बारे में मोबाइल फोन के निर्माता को अभी तक पता नहीं लग पाया है और इसलिये वह **इसे ठीक करने में सक्षम नहीं है**।

लक्ष्य:

- कई जाँचों और रिपोर्टों से पता चला है कि पेगासस सपायवेयर का इस्तेमाल **पत्रकारों, मानवाधिकार कार्यकर्ताओं, वकीलों, वपिक्षी नेताओं और राष्ट्राध्यक्षों की जासूसी करने के लिये** किया गया है।
- जनि देशों पर अपने आलोचकों और दुश्मनों को नशाना बनाने के लिये पेगासस सपायवेयर का उपयोग करने का आरोप लगाया गया है उनमें **सऊदी अरब, मैक्सिको, भारत, मोरक्को, हंगरी, अज़रबैजान तथा रवांडा** शामिल हैं।

आशय:

- पेगासस सपायवेयर भ्रष्टाचार को उजागर करने, मानवाधिकारों की रक्षा करने तथा लोकतंत्र का समर्थन करने वाले **व्यक्तियों एवं समूहों की गोपनीयता और सुरक्षा** को खतरे में डालता है।

- यह पत्रकारों के स्रोतों, तरीकों और सामग्रियों को उजागर करके, उनकी स्वतंत्रता से समझौता करके प्रेस की स्वतंत्रता को कमजोर करता है।
- स्पायवेयर राष्ट्रों की संप्रभुता और स्थिरता के लिये खतरा उत्पन्न करता है, **आंतरिक मामलों एवं नरिणय लेने की प्रक्रियाओं में वदेशी हस्तक्षेप तथा जासूसी को सक्षम बनाता है।**

▪ **चुनौतियाँ:**

- पेगासस स्पायवेयर का पता लगाना और उसे हटाना मुश्किल है, क्योंकि यह डेविड्स पर अपनी उपस्थिति एवं गतिविधियों को छिपा सकता है तथा अगर इसे पता चलता है कइसकी खोज या वश्लेषण कया जा रहा है तो यह **स्वयं को नष्ट कर सकता है।**
- कानूनी रूप से असपष्ट क्षेत्रों में इसके संचालन के कारण पेगासस स्पायवेयर को वनियमति और नरिंतरति करना मुश्कलि है।
 - NSO समूह और उसके ग्राहक आमतौर पर स्पायवेयर के दुरुपयोग के लयि ज़मिमेदारी से इनकार करते हैं या उससे बचते हैं।

साइबर खतरों के प्रमुख प्रकार:

//



Cyber Threat	Description
Malware	Malicious software designed to harm or exploit systems by infecting, disrupting, or gaining unauthorized access.
Phishing	Deceptive attempts to acquire sensitive information, often through fake emails, websites, or messages impersonating trusted entities.
Ransomware	Encrypts data and demands payment (usually in cryptocurrency) for its release, posing significant threats to data integrity.
DDoS Attacks	Overwhelms a system with a flood of traffic, causing service disruption by exhausting resources or bandwidth.
Man-in-the-Middle (MitM)	Intercepts and potentially alters communication between two parties, leading to unauthorized access or information theft.
SQL Injection	Exploits vulnerabilities in SQL databases by injecting malicious code, allowing unauthorized access or data manipulation.
Zero-Day Exploits	Attacks targeting undiscovered vulnerabilities in software before developers can create a patch, posing a serious and often potent threat.
Social Engineering	Manipulating individuals into divulging sensitive information through psychological manipulation or deception.
Insider Threats	Risks originating from individuals within an organization, either intentionally or unintentionally causing harm or data breaches.
Advanced Persistent Threats (APTs)	Prolonged and targeted cyber attacks often linked to espionage, aiming to infiltrate and remain undetected in a network.
Cross-Site Scripting (XSS)	Injects malicious scripts into web pages viewed by others, potentially compromising the security and privacy of users.
Credential Stuffing	Uses stolen usernames and passwords from one breach to gain unauthorized access to other accounts due to individuals reusing passwords.
Internet of Things (IoT) Threats	Exploits vulnerabilities in connected devices, potentially allowing unauthorized access or disruption of IoT networks.
Cryptojacking	Unauthorized use of a computer's resources for cryptocurrency mining, slowing down systems and consuming energy without the user's consent.
Wi-Fi Eavesdropping	Unauthorized interception of wireless communication, where attackers may capture sensitive data transmitted over Wi-Fi networks.



संबंधित साइबर सुरक्षा पहल क्या हैं?

- भारत:
 - सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000
 - राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा रणनीति
 - साइबर सुरक्षा भारत
 - कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम - भारत (CERT-In)
 - महत्त्वपूर्ण सूचना अवसंरचना
 - भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (I4C)
- अंतरराष्ट्रीय तंत्र:
 - अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ (ITU)
 - साइबर अपराध पर बुडापेस्ट कन्वेंशन

आगे की राह

- नगरानी उपकरणों के किसी भी अनैतिक उपयोग के लिये कंपनियों को जवाबदेह ठहराने और स्वतंत्र ऑडिट की सुविधा के लिये एक अंतरराष्ट्रीय नरीक्षण तंत्र स्थापित की जानी चाहिये।
 - स्पायवेयर के उपयोग को स्पष्ट रूप से प्रतिबंधित करने और लक्षित व्यक्तियों की गोपनीयता एवं मानवाधिकारों की रक्षा के लिये राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय कानूनी ढाँचे को मज़बूत की जानी चाहिये।
- स्पायवेयर से उत्पन्न जोखिमों और संभावित घुसपैठ के खिलाफ अपने उपकरणों की सुरक्षा के बारे में लोगों को शिक्षित करने के लिये जन जागरूकता अभियान चलाएँ।
- संभावित स्पायवेयर गतिविधियों की निरंतर नगरानी सहित साइबर खतरों का सक्रिय रूप से पता लगाने और उन्हें बेअसर करने के लिये राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा बुनियादी ढाँचे को मज़बूत करें।
- तकनीकी कंपनियों को नैतिक दिशा-निर्देशों को अपनाने के लिये प्रोत्साहित करें जो मानवाधिकार सिद्धांतों के अनुरूप हों तथा ज़िम्मेदार कॉर्पोरेट व्यवहार को बढ़ावा दें।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष प्रश्न

??????:

प्रश्न1. 'वान्नाकार्डी, पेट्या और इंटरनलब्लू' पद जो हाल ही में समाचारों में उल्लिखित थे, नमिनलखिति में से कसिके साथ संबंधित हैं? (2018)

- (a) एक्सोप्लैनेट्स
- (b) प्रचछन्न मुद्रा (क्रपिटोकर्सि)
- (c) साइबर आक्रमण
- (d) लघु उपग्रह

उत्तर: (c)

प्रश्न2. भारत में, कसिी व्यक्ति के साइबर बीमा कराने पर नधिकी हानिकी भरपाई एवं अन्य लाभों के अतरिकित सामान्यत: नमिनलखिति में से कौन-कौन से लाभ दयि जाते हैं? (2020)

1. यदि कोई मालवेयर कंप्यूटर तक उसकी पहुँच बाधति कर देता है, तो कंप्यूटर प्रणाली को पुन: प्रचालति करने में लगने वाली लागत।
2. यदि यह प्रामाणति हो जाता है कि कसिी शरारती तत्त्व द्वारा जान-बूझकर कंप्यूटर को नुकसान पहुँचाया गया है तो नए कंप्यूटर की लागत।
3. यदि साइबर बलात्-ग्रहण होता है तो इस हानिकी न्यूनतम करने के लयि वशिषज्ज परामर्शदाता की सेवाएँ लेने पर लगने वाली लागत।
4. यदि कोई तीसरा पक्ष मुकदमा दायर करता है तो न्यायालय में बचाव करने में लगने वाली लागत।

नीचे दयि गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनयि-

- (a) केवल 1, 2 और 4
- (b) केवल 1, 3 और 4
- (c) केवल 2 और 3
- (d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (b)

प्रश्न1. भारत में, साइबर सुरक्षा घटनाओं पर रिपोर्ट करना नमिनलखिति में से कसिके/कनिके लयि वधिति: अधदिशात्मक है/है? (2017)

- 1- सेवा प्रदाता (सर्विस प्रोवाइडर)
- 2- डेटा सेंटर
- 3- कॉर्पोरेट नकिय बॉडी (कॉर्पोरेट)

नीचे दयि गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनयि:

- (a) केवल 1
- (b) केवल 1 और 2
- (c) केवल 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

??????:

प्रश्न1. साइबर सुरक्षा के वभिन्न तत्त्व क्या हैं? साइबर सुरक्षा में चुनौतयिों को धयान में रखते हुए समीक्षा कीजयि कि भारत ने कसि हद तक एक व्यापक राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा रणनीति सफलतापूर्वक वकिसति की है। (2022)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/pegasus-spyware-2>

